वर्ग : 3
विषय
(ता
व

तारा० प्रश्न क्र. 2772 [24/3/2025] परिशिष्ट "अ"

प्रश्न सं. [क्र. 2772]

52

मूल निवासी / अन्य /
जाति प्रमाण-पत्र

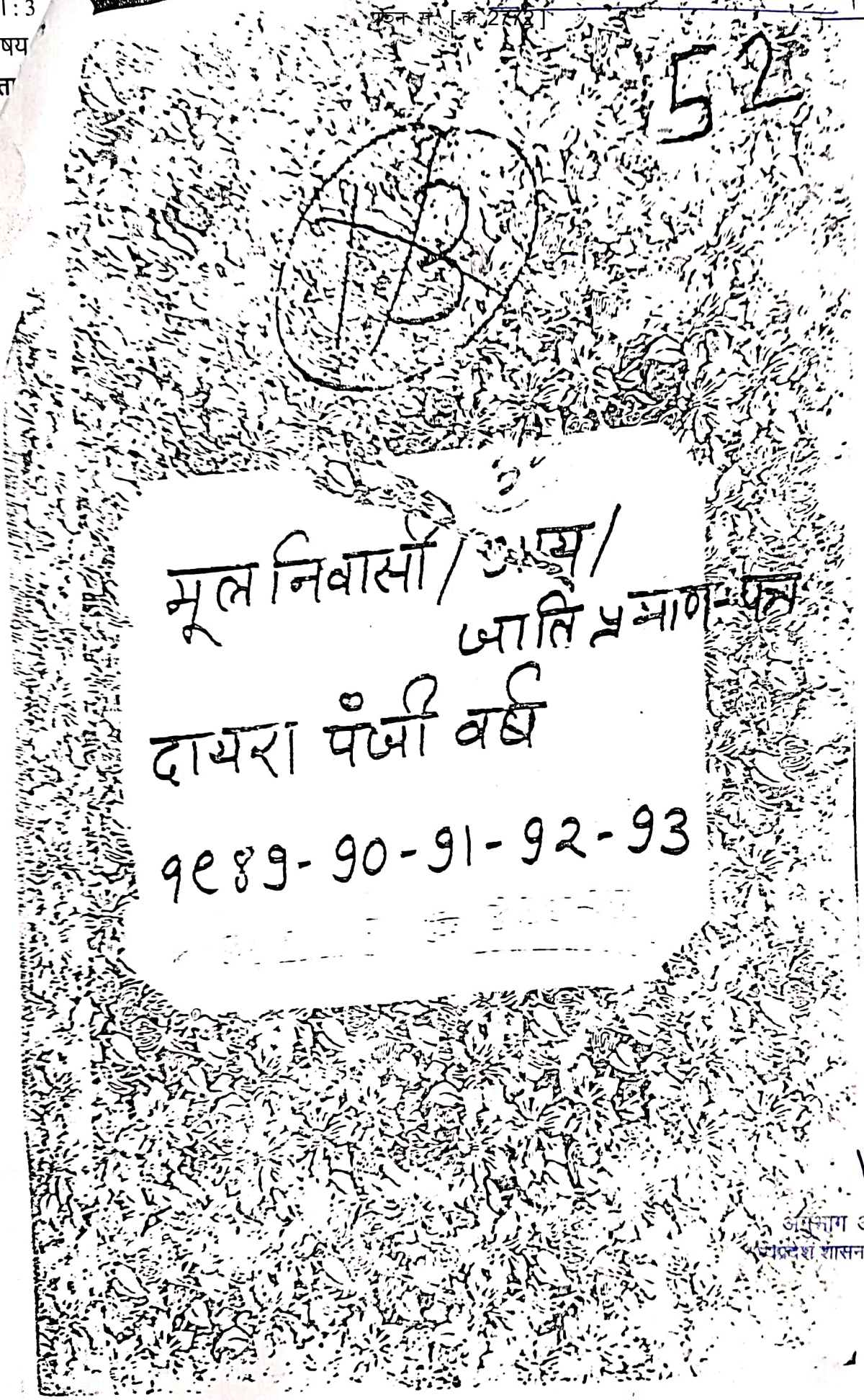

दायरा पंजी वर्ष

१९८९-९०-९१-९२-९३

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

(107) 107

राजस्व पंजी

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
[illegible]	—	—		[illegible]												
831	—	—	—	[illegible]												
832			—	[illegible]												
833	[illegible]	—	[illegible]	[illegible]												
834			[illegible]	[illegible]												
835	—		[illegible]	[illegible]												

प्रमाणित किया जाता है कि [illegible] दायरा रजिस्टर वर्ष 89–90 से 92-93 तक में [illegible]

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

मध्य प्रदेश शासन द्वारा घोषित पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित जातियों की सूची

	नाम जाति/उपजाति/वर्ग समूह	परम्परागत व्यवसाय	कैफियत
	अहीर, ब्रजवासी, गवली, गोली, जादव (यादव) बरगाही, बरगाह, ठेटवार, राउत गोवारी (ग्वारी) गोवरा, गवारी, ग्वारा, गोवारी महाकुल (राउत) महकुल, गोप ग्वाली, लिंगायत, गोपाल	पशुपालन व दूध विक्रेता का व्यवसाय करने वाली जाति पशुपालन	यादव अहीर जाति की उपजाति के रूप में शामिल की गई है. अधिकांश अहीर व ग्वाली उपजातियां स्वयं को यादव कहती है व लिखती है. यादव राजपूत इसमें शामिल नही है. यह जाति मुख्यतः इंदौर एवं मंदसौर जिले में निवासरत है।
2.	असारा, असाड़ा	कृषि कार्य	-
3.	बैरागी (वैष्णव)	धार्मिक भिक्षावृत्ति करने वाली जाति	वैष्णव को बैरागी की उपजाति के रूप में शामिल किया गया है. ब्राम्हण जाति के बैरागी शामिल नहीं किये गये है
4.	बंजारा, बंजारी, मथुरा, नायक, नायकड़ा, धरिया, लभाना, लदाना, लामने	घुम्मकड बैलो को हांककर व्यवसाय करने वाली जाति	नायक को बंजारा जाति की उपजाति के रूप में सम्मिलित किया है. नायक ब्राम्हण शामिल नहीं है
5.	बरई, तमोली, तम्बोली, कुमावट, कुमावत, बारई, चौरसिया	पान उत्पादक व विक्रेता	बरई तथा तमोली जाति के लोग अपने को चौरसिया कहते है.
6.	बढ़ई, सुतार, दवेज, कुन्देर (विश्वकर्मा)	कृषि कार्य हेतु लकड़ी के औजार बनाना, लकड़ी का फर्नीचर तैयार करना.	विश्वकर्मा को बढ़ई की उपजाति के रूप में सम्मिलित किया गया है
7.	बारी	पत्तों से पत्तल बनाने वाली जाति	-
8.	वसुदेव, वसुदेवा, वासुदेव, वासुदेवा, हरबोला, कापड़िया, कापड़ी, गोंधली, थारवार	विरूदावली गाना एवं बैल बेचने का व्यापार करना व धार्मिक भिक्षावृत्ति	इस क्रमांक में वसुदेव जाति की सभी उपजातियों को शामिल किया गया है
9.	भड़भूंजा, भुंजवा, भुर्जी, धुरी या धूरी	चना, लाई, ज्वार इत्यादि खाद्यान्न का भाड़ में भूंजना	इसमें वैश्य जाति से अपने को संबद्ध करने वाली जाति शामिल नहीं है.
10.	भाट, चारण, सुतिया, सालवी, राव, जसभाटोंधी, जसोंधी, मरूसोनिया	राजा के सम्मान में प्रशंसात्मक कविता पाठ व विरूदावली का गायन करना	-
11.	छीपा, भावसार, नीलगर, जीनगर, निराली, रंगारी, मनधाव	कपड़ों में छपाई व रंगाई	-
12.	ढीमर, भोई, कहार, कहरा, धीवर/मल्लाह/नावड़ा/तुरहा, केवट, (कश्यप, निषाद, रायकवार, बाथम), कीर, व्रितिया (वृत्तिया) सिंगरहा, जालारी, सोंधिया	मछली पकड़ना, पालकी ढोना, घरेलू नौकरी करना, सिंघाड़ा व कमल गटआ उगाना, पानी भरना, नाव चलाना	बाथम, कश्यप, रायकवार, भोई जाति की उपजातियां, इसी रूप में सम्मिलित की गयी है. 2राजगढ़, गुना, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, धार, इंदौर, झाबुआ एवं अलीराजपुर जिलों में निवासरत सोंधिया जाति का परंपरागत व्यवसाय कृषि कार्य एवं पशुपालन है. इसमें राजपूत शामिल नही होंगे।
13.	पंवार, पांवार, भोयर, भोयार	कृषि एवं कृषि मजदूरी	इसमें पंवार/पवार राजपूत शामिल नहीं
4.	भुर्तिया, भुतिया	पशुपालन व दुग्ध व्यवसाय	-
5.	भोपा, मानभाव	धार्मिक भिक्षावृत्ति	इस जाति का वह समुदाय जो गैर ब्राह्मण है. सूची में शामिल किया गया
5.	भटियारा	भट्टी लगाकर सार्वजनिक उपयोग के लिये खाद्य पदार्थ तैयार करना है.	-
	चुनकर, चुनगर, कुलवंधया, राजगिर	चूना, गारा का कार्य करने व भवन निर्माण इत्यादि में कारीगरी का कार्य करना	-

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग